

तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

पुनः प्रामाणिकी नै जाही दिहल 1 म म (अ)  
13. 31/5/24 के प्रारंभ

31/5/24

प्रामाणिकी प्रेम हुक्म: पुनः प्रामाणिकी व  
पीठाधीन नै दिहल है  
प्रामाणिकी प्रेम हुक्म है प्रामाणिकी प्रेम हुक्म  
के उपलब्ध नै प्रामाणिकी प्रेम हुक्म  
के प्रेम हुक्म है 19/7/24 का  
प्रेम हुक्म

19/7/24

प्रामाणिकी प्रेम हुक्म: प्रामाणिकी प्रेम हुक्म  
उक्त प्रेम प्रामाणिकी प्रेम हुक्म उपलब्ध है  
के प्रामाणिकी प्रेम हुक्म प्रामाणिकी प्रेम हुक्म  
प्रामाणिकी प्रेम हुक्म प्रामाणिकी प्रेम हुक्म  
प्रामाणिकी प्रेम हुक्म प्रामाणिकी प्रेम हुक्म  
प्रामाणिकी प्रेम हुक्म प्रामाणिकी प्रेम हुक्म  
प्रामाणिकी प्रेम हुक्म प्रामाणिकी प्रेम हुक्म

अधिकारी  
बयाना (प्रतियुक्त)